नवभारत 11
इंदौर, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

एक नजर में

56 वर्षीय व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ गटक की अपनी जीवन लीला समाप्त

रामपुरा। बीते दिन दिनांक 22/10/25 बुधवार को शाम को 4 से 5 बजे के बीच कैलाश पिता कन्हैयालाल ने जहरीला पदार्थ खा अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार कल शाम को उक्त व्यक्ति घर में उल्टियां करने लगा तो घर वाले आननफानन में सिविल हॉस्पिटल रामपुरा ले गए जहां डॉक्टर ने तुरंत नीमच रेफर कर दिया, नीमच ले जाते हुए रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वापस रामपुरा सिविल हॉस्पिटल लाया गया रामपुरा पुलिस भी तुरंत हॉस्पिटल पहुंची जहां शव का पंचनामा कर शव को मोरझारी में रखा गया, गुरुवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप गया। पुलिस ने भी मामले को विवेचना में ले कर जांच शुरू की। वहीं सूत्रों के मुताबिक आत्महत्या का कारण आपसी रंजिश, रिश्तेदारी में चल रहे विवाद बताया जा रहा है। यह जांच का विषय है।

जिले में भयानक सड़क हादसा, भरभड़िया फंटे पर काल बनी तेज रफ्तार कार

नीमच। शहर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत भरभड़िया फंटे के पास गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पेट्रोल पंप के सामने एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार पिता गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनकी बेटी को मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरभड़िया निवासी सलीम पिता अहमद नूर (40 वर्ष) अपनी बेटी हिना के साथ नयागांव से काम समाप्त कर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पेट्रोल पंप के सामने एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सलीम पिंजारा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं उनकी बेटी को हल्की चोटें आईं। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस के पायलट चंद्रपाल सिंह रावत और ईएमटी राहुल पाटीदार ने घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय नीमच पहुंचाया। डॉक्टरों ने सलीम की स्थिति गंभीर बताई है और उनका उपचार जारी है। कैंट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

कृषि उपज मंडी पर मवेशियों का कब्जा

नीमच। रेलवे स्टेशन रोड स्थित पुरानी मंडी परिसर में देखरेख की कमी के चलते मवेशी किसानों के लिए सिर दर्द बन गए हैं। मंडी परिसर में रखी उपज को आए दिन मवेशी नुकसान पहुंचा रहे हैं। आज शुक्रवार को उड़द के ढेर को मवेशियों ने नुकसान पहुंचाया। किसान रामलाल ने बताया कि मंडी में सुरक्षाकर्मी तैनात हैं, लेकिन वे इस ओर ध्यान नहीं देते। किसानों ने प्रशासन से मंडी में उचित व्यवस्था और निगरानी की मांग की है।

कार्यालय अधीक्षक सुभाष गवई की सेवानिवृत्ति 31 अक्टूबर को

नीमच। जिला महिला एवं बाल विकास कार्यालय नीमच में अधीक्षक के पद पर कार्यरत सुभाष गवई, 36 वर्ष की सेवा पूरी कर 31 अक्टूबर 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे है। गवई ने इंदौर से सामुदायिक संगठक से विभाग में अपनी शासकीय सेवाओं की शुरूआत कर 9 वर्षो तक इस पद पर इंदौर में कार्य किया। तदपश्चात गरियाबद (छ.ग.) में तीन वर्ष तक सहायक ग्रेड-3 के पद पर कार्यरत रहे। उन्होने महिला एवं बाल विकास संचालनालय भोपाल में 3 वर्ष एवं कालापीपल में 12 वर्ष तक सेवाएं दी हैं। वे नीमच में 10 वर्ष तक पदस्थ रहे है और 31 अक्टूबर 2025 को अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हो रहे है। सफलतम सेवाकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्ति पर विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने श्री गवई को शुभकामनाएं दी है।

कायस्थ समाज नीमच ने श्री चित्रगुप्त जी दूज पूजन एवं दिवाली मिलन संपन्न

नीमच। कायस्थ समाज नीमच ने कार्तिक मास द्वितीया तिथि को संसार के सभी प्राणियों के पाप पुण्य का हिसाब रखने वाले प्रातः संस्मरणीय श्री चित्रगुप्त जी की कथा महाआरती के साथ पूजन एवं दिवाली मिलन संपन्न किया। कथा पंडित श्री नरेश पाठक के मुखारविंद से की गई। पूजन कायस्थ समाज के अध्यक्ष सत्येन्द्र सक्सेना एवं प्रीति सक्सेना के साथ सभी कायस्थ समाज परिवार ने मिलकर की। महाआरती के साथ दिवाली मिलन भी हुआ। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष योगेश श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष राजेश जौहरी, कायस्थ महिला मंडल अध्यक्ष कृष्णा निगम, प्रकाश गौड़, बसंत गौड़, आलोक श्रीवास्तव, कीर्ति श्रीवास्तव, ई. आशीष सक्सेना, एस एन श्रीवास्तव, पूनम सक्सेना, सुजय सक्सेना, शैलजा गौड़, श्रीमती उर्मिला गौड़, अनुराधा भटनागर, दीपक राय गौड़, दिलीप निगम, आर्ची सक्सेना, तनिष्क सक्सेना आदि समाजजन उपस्थित थे। आभार कायस्थ समाज सचिव नितिन सक्सेना ने माना।

सुरक्षा सैनिक भर्ती के लिए जनपदों व निकायों में शिविरों का आयोजन

नीमच। भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली जिला प्रशासन एवं म.प्र.डे- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड नीमच द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को सुरक्षा सैनिकों के पदों पर भर्ती के लिए शिविरों का आयोजन 27 अक्टूबर 2025 को जनपद पंचायत जावद में, 28 अक्टूबर 2025 को जनपद पंचायत मनासा में, 29 अक्टूबर 2025 को नगर परिषद सिंगोली में, 30 अक्टूबर 2025 को नगर परिषद रतनगढ़ में, 31 अक्टूबर 2025 को नगर परिषद रामपुरा एवं 3 नवम्बर 2025 को जनपद पंचायत नीमच में भर्ती शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। भर्ती सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक की जाएगी। चयनित युवाओं को नीमच में एक माह के प्रशिक्षण उपरांत रोजगार प्रदान किया जावेगा। इच्छुक उम्मीदवार, जिनकी योग्यता 10वीं पास या फेल, उम्र 19 से 40 वर्ष, ऊंचाई 168 से.मी. से ऊपर, वजन 56 किलो से 90 किलो के बीच हो, वे उक्त स्थानों पर 10वीं की अंकसूची की फोटो कापी, दो फोटो, आधार कार्ड के साथ शिविरों में उपस्थित हो सकते है। अधिक जानकारी वेबसाइट 222-*ssciindia-com* पर देखी जा सकती है।

पाटीदार अस्पताल में इलाज के दौरान 5 साल की बच्ची की मौत

- नीमच में परिजनों ने हैवी डोज, देरी का लगाया आरोप, डॉक्टर पर एफआईआर की मांग

नीमच। नीमच सिटी थाना क्षेत्र के पाटीदार बाल अस्पताल में गुरुवार को थैलेसीमिया से पीड़ित एक 5 साल की बच्ची की ब्लड ट्रांसफ्यूजन प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई। केसुन्दा निवासी डिंपल (5) पिता विकास आंजना पिछले पांच वर्षों से इसी अस्पताल में इलाज करा रही थी। शुक्रवार को परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही और देरी का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

गंभीर हालत में बच्ची उदयपुर रेफर, रास्ते में हुई मौत- परिजनों के अनुसार, डिंपल को नियमित ब्लड चढ़वाने के लिए लाया गया था। ब्लड ट्रांसफ्यूजन के बीच में ही बच्ची की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे उदयपुर रेफर किया गया, लेकिन उसने रास्ते में दम तोड़ दिया।

हैवी डोज के इंजेक्शन लगाने का आरोप-आक्रोशित परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर उसे हैवी डोज के इंजेक्शन लगाए, जिससे उसके पेट में तेज दर्द शुरू हो गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि डॉक्टर ने स्थिति की सही जानकारी नहीं दी और रेफर करने में देरी की।

डॉक्टर के खिलाफ नारेबाजी की, एफआईआर की मांग- डिंपल की मौत के बाद, पोस्टमॉर्टम कराकर परिजन शव को सीधे पाटीदार अस्पताल ले आए। अस्पताल के बाहर उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया, डॉक्टर के खिलाफ नारेबाजी की और तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की। कैंट थाना प्रभारी वीरेंद्र झा और सिटी थाना प्रभारी विकास पटेल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने की कोशिश की पर वे अपनी मांगों पर अड़े रहे।

> **डॉक्टर बोले-तबीयत बिगड़ने पर रोकी प्रक्रिया**
>
> डॉक्टर मुकेश पाटीदार ने बताया कि डिंपल थैलेसीमिया की मरीज थी। उसका इलाज नियमित रूप से चल रहा था। उनके मुताबिक, रक्त आधान के दौरान तबीयत बिगड़ने पर प्रक्रिया तुरंत रोक दी गई थी। डॉक्टर ने किसी भी लापरवाही से इनकार करते हुए कहा कि थैलेसीमिया के मरीजों में रक्त आधान से रिएक्शन की संभावनाएं होती हैं। उन्होंने बच्ची को तत्काल उदयपुर रेफर करने की बात कही, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

तेलिया तालाब सीमांकन में हेराफेरी का आरोप, नागरिकों ने जिला प्रशासन से की पुनः नपती की मांग

मंदसौर। शहर के प्रमुख जलस्रोत तेलिया तालाब के सीमांकन में हेराफेरी का मामला सामने आया है। नागरिकों ने आरोप लगाया है कि राजस्व और टीएनसी विभाग के अधिकारियों ने मिलीभगत से फील्ड बुक और नक्शा बदल दिया, जिससे तालाब के क्षेत्रफल में भारी बदलाव आया है।

नागरिकों ने बताया कि एनजीटी कोर्ट के आदेश (द्व क्रमांक 70/2022 अभय अकोलकर विरुद्ध मप्र शासन) के तहत गठित 28 सदस्यीय दल ने गलत नक्शे से नपती कर रिपोर्ट सौंपी थी, जिससे तालाब की आकृति और क्षेत्र में अंतर आ गया।

इस मामले में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों — राधेश्याम कुमावत, मोहनलाल कुमावत, मुकेश काला, मनोज भाचावत, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. आलोक मेहता, विरेन्द्र जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने जिला प्रशासन को आवेदन देकर पुनः सीमांकन करवाने और गलत फील्ड बुक व नक्शे को सुधारने की मांग की है।

नागरिकों ने कहा कि तेलिया तालाब का वास्तविक डूब क्षेत्र करीब 94.610 हेक्टेयर निजी भूमि और 32.270 हेक्टेयर शासकीय भूमि है, जिसे संरक्षित करना आवश्यक है।

श्रद्धा का केंद्र बन रहा भगवान जगन्नाथ का सिद्ध स्थल, महाआरती का लिया आनंद

- भक्तिमय वातावरण में गूंजे भजन, जीर्णोद्धार कार्य में दानदाता आगे आए

मंदसौर। शिवना नदी के तट पर स्थित भगवान जगन्नाथ का प्राचीन सिद्ध स्थल अब श्रद्धा का केंद्र बनता जा रहा है। यहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की काष्ठ निर्मित प्रतिमाएं विराजमान हैं, जो पुरी (उड़ीसा) स्थित जगन्नाथ धाम की प्रतिकृति मानी जाती हैं। 500 वर्ष से अधिक पुराने इस ऐतिहासिक स्थल पर प्रतिमाह शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को होने वाली महाआरती में इस बार भी भक्तों की बड़ी संख्या ने भाग लिया।

भक्तों ने भगवान के दरबार में आरती उतारी और भजनों के मधुर सुरों में डूबकर भक्ति भाव से सराबोर हो गए। जितेंद्र रामावत एवं विश्वनाथ गढ़िया द्वारा प्रस्तुत भजनों ने वातावरण को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया। श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के सामने स्थित इस पवित्र स्थल के जीर्णोद्धार कार्य में समाजसेवी एवं श्रद्धालु बढ़-चढ़कर योगदान दे रहे हैं। अनिल गुप्ता, नंदलाल परमार, संजीव त्रिवेदी, बालकृष्ण दवे, योगेश गुप्ता, गिरिराजदास सक्सेना, भरत चंदवानी और किशोरकुमार बिजानी जैसे दानदाताओं ने मंदिर विकास के लिए सहयोग किया है।

महाआरती के दौरान यजमान ललित खेमानी, पंकज अग्रवाल, भगवतीलाल पिलोदिया, सुरेशकुमार शर्मा, इंजीनियर सुनीलकुमार व्यास, रूपलाल कुमावत, दाताराम चौधरी, गोपाल पाटीदार, अम्बालाल पाटीदार, सुरेन्द्र कुमावत, अंकित सोनी, राजेन्द्र परमार, संगीता सक्सेना और संध्या पंचारिया सहित अनेक भक्तों ने आरती कर पुण्य लाभ अर्जित किया। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि जैसे-जैसे भगवान जगन्नाथ के इस सिद्ध स्थल की ख्याति फैल रही है, वैसे-वैसे अधिकाधिक भक्त यहां दर्शन हेतु पहुंच रहे हैं और मंदिर परिसर दिन-प्रतिदिन भक्ति का केंद्र बनता जा रहा है।

स्व-सहायता समूह से जुड़कर महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी चीताखेड़ा की रीना

- बैंक सखी व आजीविका कार्यो ने बनाया आत्मनिर्भर

नीमच। जिले के विकासखण्ड नीमच के गांव चीताखेडा में स्व-सहायता समूह से जूडी महिलाऐ सामाजिक एंव आर्थिक रुप से सशक्त हो रही है। नीमच से 25 किमी की दूरी पर स्थित है, ग्राम चीताखेड़ा, जहां पर सभी समाज के परिवार निवास करते है। ग्राम में पहले स्वयं सहायता समूह नहीं थे। 2019 में सबसे पहले महिलाओं को समूह में संगठित किया।

रीना पति नारायण प्रजापत 10वीं तक शिक्षित है। रीना प्रजापत ने अक्टूबर 2019 को सांई नाथ आजीविका स्वसहायता समूह का गठन किया एवं समूह अध्यक्ष की भूमिका निभा रही है, आजीविका मिशन के माध्यम से श्रीमती रीना प्रजापत ने आरएफ 10000 रूपये, सीआईएफ 25000 रूपये एवं बैंक लिंकेज 95 हजार रूपये का ऋण प्राप्त किया है।

स्वयं का रोजगार किया स्थापित- समूह की रीना प्रजापत, प्राप्त ऋण राशि से गांव में राशन दुकान संचालन का कार्य कर रही है। इसके अलावा पशु पालन एवं कृषि गतिविधि भी वे कर रही है। इनसे उनकी व्यक्तिगत आय प्रतिदिन 700 रूपये, प्रतिमाह 21 हजार रूपये एवं प्रतिवर्ष 2.52 लाख रूपये हो गई है। इस समूह में उनकी देवरानी एवं सास भी जुड़ी हुई है, जो कृषि गतिविधि से लगभग रू 1.25 लाख रूपये प्रतिवर्ष कमा रहे है।

समूह से जुड़ने से रीना व परिवारजन पहले गृह कार्य एवं मजदूरी करते थे। उनकी और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नही थी। समूह से जुड़ने के बाद स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़कर वर्तमान में उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुइ है। साथ ही सामाजिक छवि में सुधार हुआ है। अब वे लखपति दीदी बन गई है। समूह से जुड़ने के उन्होने बाद अपना पक्का मकान बनाया, कार एवं बाईक खरीदी, बच्चें अच्छे स्कूल में पढाई कर रहे है।

ग्राम में कुछ महिलाऐ ग्रेजुएट एवं पोस्ट ग्रेजुएट तक पढी लिखी है, परन्तु वे कभी भी सामाजिक परम्पराओं के कारण घर से बाहर नहीं निकलती थी। श्रीमती रीना प्रजापत ने ग्राम में विभिन्न आजीविका गतिविधियाँ प्रांरभ कर, दूसरी महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया है। जिससे उनके परिवारजनों को भी रोजगार के अवसर मिल रहे है। श्रीमती रीना प्रजापत के स्व सहायता समूह के सदस्यों ने रिवाल्विंग फण्ड से प्राप्त 10 हजार रूपये की राशि एवं स्वयं की बचत का खेती, पशुपालन, अन्य आय अर्जन गतिविधियों में उपयोग किया जा रहा हैं।

श्री द्वारकाधीश मंदिर में हुआ अन्नकूट भोजन प्रसादी का आयोजन

मंदसौर। श्री द्वारकाधीश मंदिर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी अन्नकूट महोत्सव 22 अक्टूबर 2025 बुधवार को श्री द्वारकाधीश पीपा क्षत्रिय बचत विकास समिति (बैंक) की ओर से अन्नकूट भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया बड़ी संख्या में पीपा क्षत्रिय समाज के लोगों ने महिलाओं बच्चों ने आयोजन में भाग लिया आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में रंग बिरंगी रोशनियों व फूलमालाओं से सजाया गया व भगवान श्री द्वारकाधीश की प्रतिमा को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

अन्नकूट प्रसादी का भगवान को भोग लगाया व श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन कर प्रसादी का लाभ लिया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन ने आयोजन में भाग लिया पूरा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से भरा रहा सभी ने धर्म लाभ प्राप्त किया।

एक नजर ▶ चेताया- नहीं मानी गई मांग तो होगा देशव्यापी आंदोलन

होम डिलीवरी शुल्क बढ़ाने की मांग पर एलपीजी वितरकों का ज्ञापन

नीमच। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (इंडिया) ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और सरकार को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही होम डिलीवरी चार्ज और प्रशासनिक शुल्क में 75 की बढ़ोतरी नहीं की गई, तो देशभर के वितरक चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे।

एसोसिएशन की ओर से नीमच के अपर कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि वर्ष 2019 तक वितरकों के चार्ज नियमित रूप से बढ़ाए जाते रहे, लेकिन वर्ष 2020 से अब तक लागत और महंगाई के अनुपात में कोई समुचित बढ़ोतरी नहीं हुई है। इससे वितरकों में गहरा असंतोष व्याप्त है।

डिनोबा समिति की सिफारिशें अब तक लंबित- ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि डिनोबा समिति की सिफारिशों के अनुसार वितरकों को बढ़ती लागत के अनुरूप मुआवजा मिलना चाहिए था, लेकिन सरकार और तेल कंपनियों ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया। वितरकों का कहना है कि जब सरकारी कर्मचारी और तेल कंपनियों के अधिकारी हर साल महंगाई भत्ता प्राप्त करते हैं, तब एलपीजी वितरकों की अनदेखी अन्यायपूर्ण है।

आंदोलन की रूपरेखा तैयार-नीमच एसोसिएशन के सदस्य जुल्फ़िकार ने बताया कि 17 अक्टूबर को आयोजित राष्ट्रीय जूम मीटिंग में आंदोलन की रूपरेखा तय की गई थी।

> **योजना के अनुसार**
>
> 24 अक्टूबर से वितरक काली पट्टी बांधकर कार्य करते हुए जिला कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपेंगे।
> 29 अक्टूबर को प्रदेश मुख्यालयों पर मशाल और मोमबत्ती जुलूस निकाले जाएंगे।
> 6 नवंबर को वितरक तेल कंपनियों में पैसा जमा नहीं करेंगे, न ही गैस इंडेंट डालेंगे।
> यदि इसके बाद भी मांगें नहीं मानी गईं, तो अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

> **वितरक मानसिक रूप से हो रहे परेशान**
>
> एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि तेल कंपनियों के कुछ अधिकारियों के अनैतिक दबाव के कारण कई वितरक मानसिक रूप से परेशान हैं, जिनमें से कुछ ने आत्महत्या जैसे कदम भी उठाए हैं। एसोसिएशन ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि बढ़ती महंगाई और वास्तविक लागत को ध्यान में रखते हुए होम डिलीवरी और प्रशासनिक शुल्क में तत्काल 75 की वृद्धि की जाए, ताकि वितरक गरिमा के साथ अपना व्यवसाय जारी रख सकें।